प्रश्न-पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER

कक्षा :– IX   परीक्षा : हाईस्कूल   पूर्णांक :– 100

विषय :– हिन्दी विशिष्ट   समय : 3 घण्टे

स. क्र.	इकाई	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नों की संख्या			कुल प्रश्न
			1 अंक	4 अंक	5 अंक	10 अंक	
1.	**पद्य खण्ड –** पद्यांश की व्याख्या, कवि परिचय सौन्दर्य बोध एवं विषयवस्तु पर प्रश्न, पद्य का इतिहास	27	5	3	2	–	5
2.	**गद्य खण्ड –** गद्यांश की व्याख्या, लेखक परिचय, विषयवस्तु पर प्रश्न, गद्य की विधाएँ	23	5	2	2	–	4
3.	**सहायक वाचन –** विविध पाठों पर प्रश्न	10	5	–	1	–	1
4.	**भाषा बोध –** उपसर्ग, प्रत्यय, अनेकार्थी शब्द मुहावरे,/लोकोक्तियाँ	10	5	–	1	–	1
5.	**काव्य के तत्व –** अलंकार, छंद, रस	10	5	–	1	–	1
6.	**अपठित –** गद्यांश/पद्यांश	05	–	–	1	–	1
7.	**पत्र – लेखन**	05	–	–	1	–	1
8.	**निबन्ध लेखन –**	10	–	–	–	1	1
	योग =	**100**	**(25) = 5**	**05**	**09**	**01**	**15+5=20**

निर्देश :– वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रश्नपत्र के प्रारंभ में दिये जायेगे।

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगें जिसके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा सत्य असत्य का चयन आदि के प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न में 5 अंक निर्धारित है।
2. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर सभी प्रश्नों में विकल्प का प्रावधान रखा जाये। यह विकल्प समान इकाई से तथा यथा संभव समान कठिनाई स्तर वाले होने चाहिए।
3. कठिनाई स्तर – 40% सरल प्रश्न, 45% सामान्य प्रश्न, 15% कठिन प्रश्न

नोट :– प्रश्नपत्र को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से तथा प्रश्नपत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश करने के लिए अंकों का समायोजन (पत्र लेखन अपठित एवं निबंध को छोड़कर) अन्य इकाइयों से किया गया है।

आदर्श प्रश्न पत्र
हिन्दी विशिष्ट
कक्षा– IX

समय – 3 घण्टे | पूर्णांक– 100

निर्देश :–

1. आरंभ में दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्न सर्वप्रथम हल करें–
2. प्रश्न क्रमांक– 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है प्रत्येक प्रश्न के लिए **5 अंक** (1x5x5=25) निर्धारित है।
3. प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक के लिए **4 अंक** निर्धारित है।
4. प्रश्न क्रमांक 11 से 19 तक के लिए **5 अंक** निर्धारित है।
5. निबंधात्मक प्रश्न क्रमांक 20 के लिए **10 अंक** निर्धारित हैं।

प्रश्न (1) वस्तुनिष्ठ प्रश्न :– (5X5=25)

प्रश्न 1. दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिएः–

(1) मीरा ने .... रूपी धन पाया। (रामनाम/कृष्णनाम)

(2) कवि पंत ने धरती में .... बोए थे। (रूपये/पैसे)

(3) पन्ना धाय ने देश की रक्षा के लिए अपने पुत्र .... का बलिदान कर दिया। (चंदन/उदय)

(4) .... में आयोजित विश्व–धर्म सम्मेलन में विवेकानन्द ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। (न्यूयार्क/शिकागो)

(5) .... प्रसिद्ध रीतिकालीन कवि थे। (कबीर/घनानन्द)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिये सही विकल्प चुनकर लिखिए :–

(1). कौआ कृष्ण के हाथ से छीनकर ले गया–

i) रोटी, ii) माखन, iii) माखन रोटी, iv) खिलौना

(2) 'काँटे कम से कम मत बोओ' कविता में काँटा शब्द का अर्थ है–

i) एक पौधा, ii) बाधा, iii) दुःख, iv) बबूल

(3) सर्व व्यापक पक्षी कहा गया है–

i) तोता, ii) मैना, iii) मोर, iv) कौआ

(4) 'बड़े घर की बेटी' कहानी में आनन्दी का विवाद होता है –

i) पति से, ii) सास से, iii) ससुर से, iv) देवर से

(5) रेखाचित्र कहते है–

i) चित्रकला को ii) रेखा से बना चित्र को iii) साहित्य की एक विधा को iv) चरित्र–चित्रण को

प्रश्न 3. सही जोड़ी मिलान कीजिए–

(1)	मदन महीप का बालक है	–	दीपक
(2)	यह किसी शहीद का पुण्य प्राणदान है	–	स्वयंजात
(3)	कपिलवस्तु में महावत थे	–	बसंत
(4)	कर्ज को भार मानने वाले	–	बढ़ावा देना
(5)	सिर पर चढ़ाने का अर्थ है	–	हैवीवेट चैम्पियन

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों में सत्य/असत्य छाँटिए –

(1) कवि रैदास के अनुसार हम चंदन और प्रभु पानी।

(2) कवि रसखान ने राम के बाल्यकाल का वर्णन किया है।

(3) जीवनलाल का कमला को विदा न करने का कारण धन था।

(4) पुस्तके संसार में सफलता की कसौटी है।

(5) कविता में शाब्दिक अनुशासन का नाम छन्द है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों का एक शब्द में उत्तर दीजिए –

(1) विक्रम साराभाई कौन थे ?

(2) अंबर कलंक किसे कहा गया ?

(3) शबरी ने राम को प्रेम सहित खाने को क्या दिया ?

(4) कवि धनानन्द ने स्नेह का मार्ग कैसा बताया है ?

(5) चन्दबरदाई किस काल के कवि थे ?

प्रश्न 6. भक्त और भगवान के सम्बध में रैदास ने अलग–अलग कौन से भाव व्यक्त किए हैं? स्पष्ट कीजिए। **4**

अथवा

मानवता की सुनहली फसल उगाने से कवि का क्या आशय है ?

प्रश्न 7. 'सूरज का पहिया' कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं ? **4**

अथवा

'काँटे कम से कम मत बोओ ! कविता की केन्द्रीय भावना लिखिए।

प्रश्न 8. भारत की स्वतन्त्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए कवि का क्या संदेश है? समझाईए। **4**

अथवा

कवि भवानी प्रसाद मिश्र ने अपनी माँ की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया है ?

प्रश्न 9. ''बड़ी हस्तियाँ बड़ी मुसीबतों में पलकर दुनिया पर कब्जा करती हैं।'' उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए। **4**

अथवा

पिता की तुलना नारियल की किस प्रवृत्ति से की गई है और क्यों ?

प्रश्न 10. 'दीपदान' एकांकी के आधार पर पन्ना धाय का चरित्र चित्रण कीजिए। **4**

अथवा

मनोहर कौन था ? रामेश्वरी उससे प्यार क्यों नहीं करती थी ?

प्रश्न 11. निर्झर क्या कहता है ? **5**

अथवा

संसार में सफलता की कसौटी क्या है ?

प्रश्न 12. (1) ''अनु'' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाईए – 1+1+1+2=**5**

(2) ''आवट'' प्रत्यय लगाकर दो शब्द बनाईए –

(3) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो के दो भिन्न–भिन्न अर्थ लिखिए –

कनक, कुल, हार, पतंग, वर्ण

(4) किसी एक मुहावरे का अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग कीजिए –

आँख खुलना, आस्तीन का साँप, टक्कर लेना, घुटने टेकना।

प्रश्न 13. (अ) यमक और श्लेष अलंकार में उदाहरण देते हुए अंतर बताईए। 2+3=**5**

(ब) चौपाई छंद में कितनी मात्राएँ होती है? उदाहरण देकर तथा गणना करके समझाइए।

प्रश्न 14. विद्या निवास मिश्र अथवा शरद जोशी का साहित्यिक परिचय निम्न बिंदुओं के आधार पर लिखिए – **5**

1. दो रचनाएँ 2. भाव पक्ष–कलापक्ष 3. साहित्य में स्थान

प्रश्न 15. तुलसीदास अथवा मैथिलीशरण गुप्त का काव्यगत परिचय निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए – **5**

1. दो रचनाएँ 2. भाव पक्ष–कलापक्ष 3. साहित्य में स्थान

प्रश्न 16. **निम्न लिखित पद्यांश की प्रसंग–संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए –** **5**

ऊँच–नीच का ज्ञान नहीं था, छुआछूत किसने जानी।
बनी हुई थी आह झोंपड़ी, और चीथड़ो में रानी।।
रोना और मचल जाना भी, क्या आनन्द दिखाते थे।
बड़े–बड़े मोती से आँसू, जयमाला पहनाते थे।।

अथवा

सीस पगा न झगा तन में, प्रभु जाने को आहि, बसै केहि ग्रामा।
धोती फटी सी लटी दुपटी, अरूपाय उपानह की नहिं सामा।।
द्वार खरौ द्विज दुर्बल एक, रह्यो चकि सौ वसुधा अभिरामा।
पूछत दीनदयाल का धाम, बतावत आपनो नाम सुदामा।।

प्रश्न 17. **निम्नलिखित गद्यांश की प्रसंग–संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए–** **5**

हिन्दुस्तान एक विचित्र देश है, उसकी पहचान नदी से होती है या वनस्पति से। उसके देश काल का बोध या तो नदी कराती है या वनस्पति कराती है। विशेष रूप से काल का बोध वनस्पति ही कराती है। उसके ऋतुचक्र का अवतरण सबसे पहले वनस्पति जगत् पर ही होता है।

अथवा

विश्व धर्म–महासभा एक मूर्तिमान तथ्य सिद्ध हो गयी है, और दयामय प्रभु ने उन लोगों की सहायता की है, तथा उनके परम निःस्वार्थ श्रम को सफलता से विभूषित किया है, जिन्होंने इसका आयोजन किया।

प्रश्न 18. **निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए –** **5**

पूर्वजों ने चरित्र और धर्म, विज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में जो कुछ भी पराक्रम किया है, उस सारे विस्तार को हम गौरव के साथ धारण करते हैं और उसके तेज को अपने भावी जीवन में साक्षात् देखना चाहते हैं। वही राष्ट्र वर्द्धन का स्वाभाविक प्रकार है जहाँ अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नही है, जहाँ भूत वर्तमान को जकड़ रखना नहीं चाहता वरन् अपने वरदान से पुष्ट करके उसे आगे बढ़ाना चाहता है।

प्र0 1. उपर्युक्त गद्यांश का सटीक शीर्षक दीजिए।

प्र0 2. किस तेज को हम भावी जीवन में देखना चाहतें है।

प्र0 3. हमारे पूर्वजों ने किन–किन क्षेत्रों में अपना पराक्रम दिखाया है।

प्र0 4. विलोम शब्द बताइए – अतीत, पराक्रम

प्र0 5. 'गौरव ' शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

प्रश्न 19. अपने मित्र को पत्र लिखकर गाँव में चलने वाले मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की जानकारी दीजिए। **5**

अथवा

सचिव, मा. शि. मंडल को आवेदन–पत्र लिखकर अंकसूची की द्वितीय प्रति मँगवाइए।

प्रश्न 20. किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए – **10**

I) जल ही जीवन है

II) अनुशासन का महत्व

III) दूरदर्शन की आवश्यकता

IV) मेरा प्रिय खेल

———–0000———–

आदर्श उत्तर

कक्षा – IX

हिन्दी (विशिष्ट)

समय–3 घण्टे **पूर्णांक–100**

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

उत्तर 1. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –** (5X5=25)

अ– राम नाम

ब– पैसे

स– चंदन

द– शिकागो

इ– घनानंद

उत्तर 2. **सही विकल्प चुनिए –**

अ– माखन–रोटी

ब– दुःख

स– कौआ

द– देवर से

इ– साहित्य की एक विधा

उत्तर 3. **सही जोड़ी बनाइये–**

1 बसंत

2 दीपक

3 स्वयंजात

4 हैवीवेट चैंपियन

5 बढ़ावा देना

उत्तर 4. **सत्य अथवा असत्य छाँटिए–**

1 असत्य

2 असत्य

3 सत्य

4 सत्य

5 सत्य

उत्तर 5. **एक शब्द में उत्तर दीजिए –**

1 महान वैज्ञानिक

2 राजा मानसिंह को

3 कंद–मूल / फल बेर

4 सीधा–सरल

6 वीर गाथा काल

उत्तर 6. रैदास के अनुसार भक्ति के केन्द्र में समर्पण होता है। कवि रैदास ने भक्त को उस जल तत्व के समान बताया है जिसमें चंदन रूपी परमात्मा की गंध बसी है। भक्त एक निष्ठ होकर निरन्तर अपने भावों का घर्षण कर, ईश्वर तत्व को स्वयं में समाहित करता है। जिस प्रकार चकोर की चन्द्रमा के प्रति एकनिष्ठता होती है और मोर की बादल के प्रति वही एकनिष्ठता भक्त में होती है। ईश्वर ज्ञान ज्योति में जीवात्मा बत्ती की तरह निरन्तर प्रज्जवलित होकर अपने अस्तित्व को मिटाकर स्नेह में डूब जाती है। अपनी 'चंचल है मति मेरी' कहकर भक्त एकाग्रता की विनती ईश्वर से करता है और सारे संसार को समभाव से देखता है। **4**

अथवा

मानवता की सुनहली फसल उगाने से कवि का आशय है कि ये धरती रत्नों का भण्डार है। परिश्रम द्वारा मानव उन्हें फसल के रूप में प्राप्त करता है। इसकी धूल में फसल रूपी मानव की उन्नति का मूल मंत्र छुपा हुआ है। मानव सहयोग प्रेम, ममता, दया आदि गुणों के बीच श्रम करके यदि इसमें बोएँगे तो निश्चित ही समाज में धन–समृद्धि खुशहाली, भाई–चारा तथा मानवता की फसल उसे सुख देगी।

उत्तर 7. ''सूरज का पहिया'' वास्तव में प्रतीक है निरन्तर क्रियाशीलता का। जिस प्रकार से सूरज उर्जावान, तेजस्वी, क्रियाशील, निरन्तर चलायमान, प्रकाशवान होता है, हमारे प्रयास हमारे उद्देश्य भी इसी प्रकार के होने चाहिए। हमारी विचार शैली और कार्य शैली दोनों में अन्तर नहीं होना चाहिए। निरन्तर संघर्षशीलता एवं श्रमशीलता हमारे लिए आवश्यक है जिससे लक्ष्य प्राप्ति संभव हो। उर्जावान विचार बीज की तरह हों और कर्म, फल की तरह होना चाहिए। **4**

अथवा

"काँटे कम से कम मत बोओ" का केन्द्रीय भाव है कि कवि मानव की असीमित शक्तियों का उल्लेख करते हुए उसकी चेतना के उदात्त पक्ष को प्रस्तुत करता है। जीवन में संघर्ष, कमजोरी, संकट, दुःख, अविश्वास मन को कमजोर बना देते हैं। सुख और शांति के समय वह इसके लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं रहता किंतु जो जीवन भर संघर्षरत रहता है, कष्ट सहता है, कल्पनाओं में भी गंभीरता लाता है, वह अपने आत्मविश्वास से जीवन में सफलता प्राप्त करता है।

उत्तर 8. भारत की स्वतन्त्रता को अक्षुण्ण रखने के लिए कवि देश वासियों से आग्रह करते हैं कि राष्ट्र की आजादी की रक्षा पुनीत भाव से एवं अनन्त साधना के लिए उद्यत रहकर की जा सकती है। चाहे समय शांति का हो चाहे अशांति का, युद्ध का हो, क्रांति का हो, संधि का हो चाहे किसी स्थान का हो नदी किनारा हो, पठार हो, समुद्र का किनारा हो आजादी का दीपक जलते रहना चाहिए। चाहे आँधियाँ हो, बिजली चमकती हो, किन्तु प्राणपण से इसे जलाए रखना है। **4**

अथवा

कवि भावानी प्रसाद मिश्र ने अपनी माँ की विशेषता बताते हुए लिखा है कि माँ अनपढ़ होते हुए भी सन्तान के प्रति सजग थीं। वे बच्चों के लिए किसी भी प्रकार का बलिदान दे सकती थीं। वे बच्चों को देशभक्त बनाना चाहती थी। अपनी पीड़ा उन्हें बताना नहीं चाहती थी तथा मातृ–भूमि की सेवा के प्रति पूर्णतः समर्पित थीं।

उत्तर 9. बड़ी हस्तियाँ बड़ी मुसीबतों में पलकर दुनिया पर कब्जा करती है। क्योंकि वे नित्य प्रति संकटों को आमन्त्रण देते हैं। वे साधारण जीवन नहीं जीते। वे जीवन के प्रारंभ से ही मुसीबतों से टकराना सीख जाते हैं। जैसे अकबर, पाण्डवों, के आदि उदाहरण इसी श्रेणी में आते है। इनके उदाहरण दिए जा सकते है। **4**

अथवा

नारियल की तुलना पिता से इसलिए की गई है कि नारियल बाहर से कठोर किन्तु अन्दर से मधुर रसभरा होता है उसी प्रकार पिता बाहर से संयत, अनुशासन प्रेमी, कठोर होता है किन्तु अन्दर से पुत्र के प्रति प्रेम, मंगलकामना एवं ममता से पूर्ण होता है।

उत्तर 10. दीपदान एकांकी में पन्नाधाय के चरित्र की विशेषताएं – **4**

(1)	स्वामीभक्त	(2)	बलिदानी	(3)	देश प्रेमी
(4)	कर्तव्यनिष्ठ	(5)	निडर	(6)	प्रत्युत्पन्नमति

अथवा

मनोहर रामेश्वरी के देवर का बेटा है स्वयं के बच्चे न होने के कारण वह उसे प्यार नहीं करती थी। रामेश्वरी को पति का भाई के बच्चों को प्यार करना अच्छा नहीं लगता था। हृदय में नारी सुलभ वात्सल्य भाव होने के बाद भी रामेश्वरी देवर के बच्चों को स्नेह नहीं कर पाती है।

उत्तर 11. निर्झर कहता है कि सभी मनुष्यों को मेरा उदाहरण अपने सामने रखो। सुख–दुःख जीवन के दो किनारे हैं। उनको सहते हुए, अपनी मर्यादा का पालन करते हुए, सबके साथ समानता का व्यवहार करते हुए जीवन–पथ पर अग्रसर होते रहना चाहिए। इस प्रकार निर्झर के माध्यम से निरन्तर गति शीलता एवं लक्ष्य निर्धारण कर बढ़ते रहने की प्रेरणा मिलती है। **5**

अथवा

संसार में सफलता की कसौटी, काम के पीछे विद्‌यमान इच्छा होती है। धन की कमी का कष्ट भोगकर भी लोग बड़े–बड़े काम करने में सफल हुए हैं। उन्होंने इस तरह गौरव की प्राप्ति की है। क्योंकि इस कीर्ति के पीछे विश्वास, आत्मबल दृढ इच्छाशक्ति तथा पक्का इरादा रहा है। इसे अध्यवसाय कहते हैं। यही अध्यवसाय वस्तुतः संसार में सफलता की कसौटी है। सफलता पाने के लिए लोग साहित्य को व्यवसाय बना लेते हैं वे जल में मछली की तरह होते हैं और जो साहित्य के ज्ञान को ग्रहण करते हैं वे सद्‌साहित्य को आनन्द रूप में ग्रहण कर जीवन में सफलता पाते हैं।

प्रश्न 12. (1) उपसर्ग – अनुमान, अनुभव, अनुसार, अनुदान 1+1+1+2=**5**

(2) प्रत्यय – लिखावट, दिखावट, सजावट, बनावट

(3) एक शब्द के भिन्न अर्थ –

कनक	–	सोना, धतूरा
कुल	–	सम्पूर्ण, वंश
हार	–	माला, पराजय
पतंग	–	सूर्य, पक्षी
वर्ण	–	रंग, अक्षर

(4) मुहावरे का अर्थ – ज्ञान मिलना 2. निकट का शत्रु 4. मुकाबला करना 5. हारना / झुकना

(वाक्य में प्रयोग छात्र स्वविवेक से करेंगे)

उत्तर 13. **अ) यमक** – यमक एक ही शब्द की आवृति अनेक बार और हर बार अर्थ भिन्न।

उदाहरण – कनक–कनक ते सो गुनी, मादकता, अधिकाय इहिं पाए

बौरात नर, उहिं पाए बौराए।। **5**

श्लेष – एक ही शब्द के अनेक अर्थ।

उदाहरण – रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून पानी गए न उबरे, मोती मानस चून।।

ब) चौपाई छंद में 16 मात्राएँ होती हैं।

उदाहरण – ऽ।। ।।। ऽ।। ऽऽ ऽ।। ।।।। ।।। ।ऽऽ

मंगल भवन अमंगल हारी, द्रबहु सुदशरथ अजिर बिहारी ।

महावीर बिन बहु हनुमाना, राम जास जस आप बरवाना ।।

उत्तर 14. **विद्या निवास मिश्र** –रचनाएँ –मार्डन हिन्दी पोएट्री, राधामाधव रंगरंगी संस्कृत निष्ठ, ललित, गंभीर, व्यक्ति व्यंजक निबंधकार **5**

शरद जोशी – रचनाएँ – जीप पर सवार इल्लियाँ, रहा किनारे बैठ

सरल, सहज, हास्य, व्यंगात्मक शैली

उत्तर 15. तुलसीदास – रचनाएँ – रामचरित् मानस, कवितावली **5**

सगुण भक्ति धारा के कवि, अवधि भाषा का प्रयोग, भाषा में दोहा एवं कुण्डलियाँ छंद का प्रयोग

मैथिलीशरण गुप्त – साकेत, भारत भारती, पंचवटी

सरल भाषा, मानवता और गाँधीवादी दृष्टिकोण, तुकान्तवादी कविता

उत्तर 16. कविता का नाम – मेरा नया बचपन **5**
कवियत्री – सुभद्रा कुमारी चौहान
व्याख्या – स्वविवेक के आधार पर छात्र व्याख्या करें

अथवा

कविता का नाम – सुदामा चरित
कवि का नाम – नरोत्तम दास
व्याख्या – स्वविवेक के आधार पर छात्र व्याख्या करें

उत्तर 17. पाठ का नाम – नारियल **5**

लेखक का नाम – विद्यानिवास मिश्र

व्याख्या – स्वविवेक के आधार पर छात्र व्याख्या करें

अथवा

पाठ का नाम – व्याख्यान

लेखक का नाम – स्वामी विवेकानन्द

अर्थ – स्वविवेक के आधार पर छात्र व्याख्या करें

उत्तर 18. अपठित गद्यांश के संभावित शीर्षक :– **5**

01. हमारी संस्कृति
02. राष्ट्र की प्रगति के आधार को हम अपने जीवन मे देखना चाहते हैं।
03. हमारे पूर्वजों ने कला, संस्कृति, धर्म और विज्ञान के क्षेत्र में अपना पराक्रम दिखाया है।
04. वर्तमान, दुर्बलता।
05. गौरव– भारतीय होना हमारे लिये गौरव की बात है।

उत्तर 19. पत्र लेखन –

छात्र प्रेषक, सम्बोधन आदि निर्धारित स्थान पर लिखें। औपचारिक/अनौपचारिक पत्रों के सही प्रारूप के आधार पर लिखा है या नहीं इसका परीक्षण करें। **5**

उत्तर 20. निबन्ध में भाषा, रूपरेखा, वाक्यविन्यास, विचार–क्रम, अभिव्यक्ति, मौलिकता, विषय से संबन्धित महत्वपूर्ण बिन्दुओं का क्रम से विवेचन, उपसंहार के अन्तर्गत उचित समाधान आदि के आधार पर मूल्यांकन करें। **10**

––– 000 –––